Table of Contents

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]
6. [illegible]
7. [illegible]
8. [illegible]
9. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

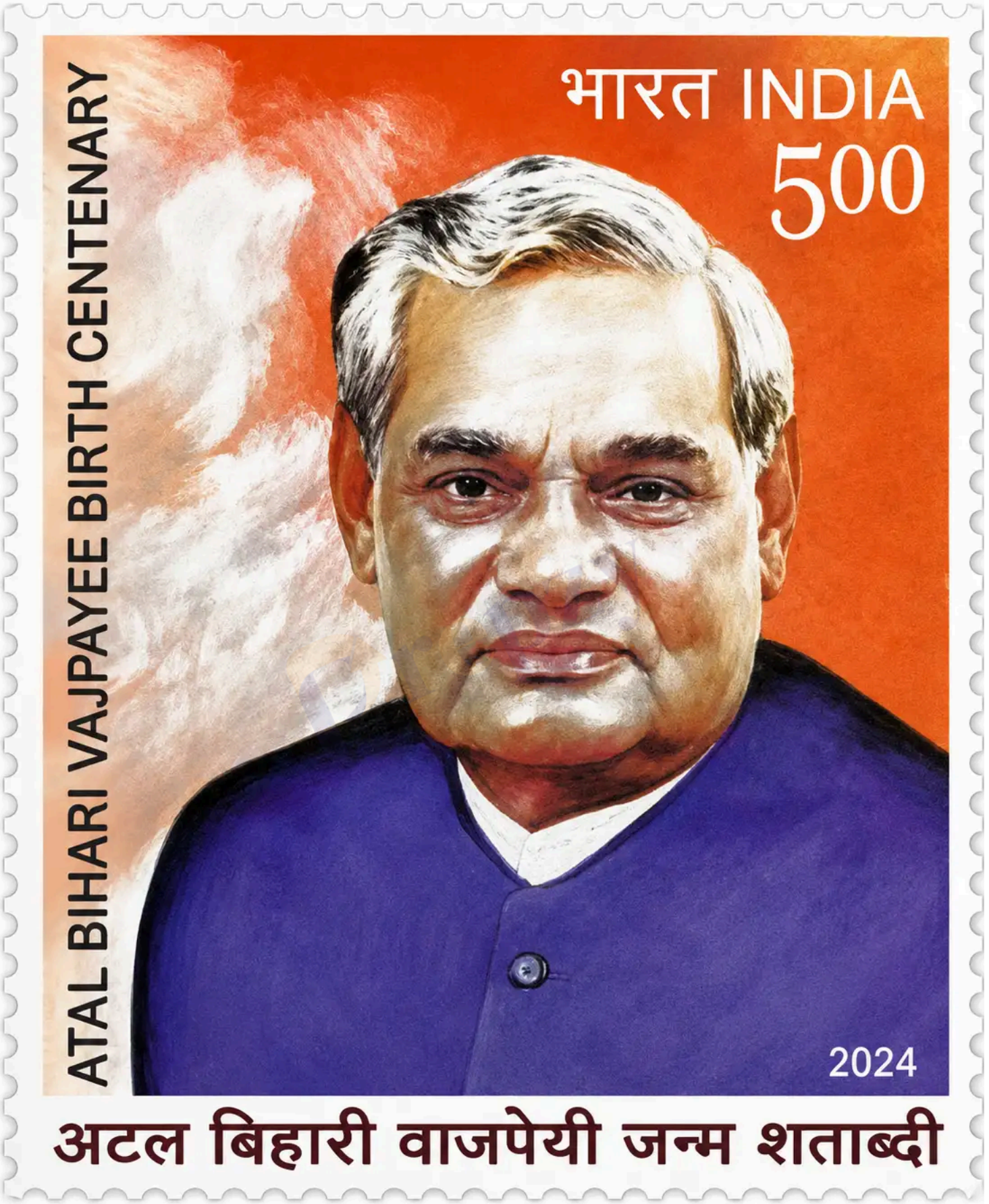
ATAL BIHARI VAJPAYEE BIRTH CENTENARY
भारत INDIA
500
2024
अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी

[illegible]

[illegible]

काव्य सौंदर्य एवं अलंकार

इस कविता में कई अलंकारों का प्रयोग हुआ है जो इसे और भी प्रभावशाली बनाते हैं।

- अनुप्रास अलंकार: "पाँवों के नीचे अंगारे", "सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ" में शब्दों की पुनरावृत्ति से छंद में लय बनी है।
- उपमा अलंकार: "पावस बनकर ढलना होगा" में जीवन को वर्षा के समान बताया गया है जो सब कुछ समेट लेता है।
- यमक अलंकार: "जलना होगा, गलना होगा" में समान ध्वनि दोहराई गई है।
- पुनरुक्ति: "कदम मिलाकर चलना होगा" पंक्ति बार-बार दोहराई गई है, जो कविता का मुख्य भाव व्यक्त करती है।

केंद्रीय भाव एवं विषय

कविता का मुख्य विषय जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों के बीच एकजुट होकर आगे बढ़ने का संदेश है। यह एकता, धैर्य, साहस, बलिदान और समर्पण महत्ता को दर्शाती है। कवि ने बताया है कि चाहे कितनी भी बाधाएँ आएं, हमें मिलकर, हँसते हुए, अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा।

महत्वपूर्ण उद्धरण एवं पंक्तियों की व्याख्या

"कदम मिलाकर चलना होगा" - यह पंक्ति कविता का मूल मंत्र है, जो एकता और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता को दर्शाती है।

"निज हाथों से हँसते-हँसते, आग लगाकर जलना होगा" - इसका अर्थ है कि अपने ही प्रयासों से, अपने संघर्षों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना होगा।

"उन्नत मस्तक, उभरा सीना, पीड़ाओं में पलना होगा" - कठिनाइयों के बावजूद आत्मविश्वास और साहस बनाए रखना होगा।

"सब कुछ देकर कुछ न माँगते, पावस बनकर ढलना होगा" - निःस्वार्थ भाव से समर्पित होकर, बिना किसी स्वार्थ के, जीवन को दूसरों के लिए समर्पित करना होगा।

अभ्यास प्रश्न

स्तर 1 - सरल

- कविता का मुख्य संदेश क्या है?
- "कदम मिलाकर चलना होगा" पंक्ति का क्या अर्थ है?
- अटल बिहारी वाजपेयी कौन थे?

स्तर 2 - मध्यम

- कविता में जीवन की किन-किन कठिनाइयों का उल्लेख है?
- कविता में प्रयुक्त किसी दो अलंकारों का उदाहरण दें।
- कविता के केंद्रीय भाव को विस्तार से समझाइए।

स्तर 3 - कठिन

- कविता में "पावस बनकर ढलना होगा" पंक्ति का क्या अर्थ है? इसे अपने शब्दों में समझाइए।

Prepzy

- [redacted]
- [redacted]

[redacted]

[redacted] 1 – [redacted]

- [redacted]: [redacted]
- "[redacted]" [redacted]: [redacted], [redacted]
- [redacted]: [redacted]

[redacted] 2 – [redacted]

- [redacted]: [redacted], [redacted], [redacted], [redacted], [redacted]
- [redacted]: [redacted] ([redacted]), [redacted] ([redacted])
- [redacted]: [redacted], [redacted], [redacted]

[redacted] 3 – [redacted]

- "[redacted]" [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted], [redacted]

[redacted]

- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted], [redacted], [redacted]
- [redacted]: "[redacted]"

[redacted]

- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted], [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted], [redacted]
- [redacted]: [redacted], [redacted]

